डा. नीतिश सेनगुप्त की अध्यक्षता में गठित समिति

@3296. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा**
श्री राम जेठमलानी :

क्या योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने हेतु रोजगार के अवसरों की व्यवस्था हेतु उपाय सुझाने के लिए डा0 नीतिश सेनगप्त की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है ;

(ख) यदि हां, तो क्या समिति से यह अनुरोध किया गया है कि वह अपना प्रतिवेदन एक निश्चित अवधि के भीतर प्रस्तुत कर दें ;

(ग) यदि हां, तो इस प्रयोजन के लिए कितनी समय-सीमा निर्धारित की गई है ; और

(घ) यदि उपर्युक्त भाग (ख) का उत्तर "ना" में हो, तो उसके क्या कारण हैं ?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री हंसराज भारद्वाज) : (क) से (घ) सचिव, योजना आयोग की अध्यक्षता में अधिकारियों के एक ग्रुप का गठन किया गया था ताकि उन क्षेत्रों और कार्यकलापों का पता लगाया जा सके जिनमें शिक्षितों को खपाए जाने की क्षमता और उद्यमशील कार्यकुशलता आदि के विकास और प्रशिक्षण हेतु अपेक्षित संस्थागत समर्थन विद्यमान हैं । ग्रुप से अपनी रिपोर्ट 20 दिन के अन्दर प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था । उक्त रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई है ।

@पूर्वतः अतारांकित प्रश्न संख्या 2439, 12 मार्च, 1992 से स्थानांतरित ।

Agricultural and irrigation plan outlay

@@3297. SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: Will the Minister of PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION be pleased to state;

(a) what is the estimated plan outlay for Agriculture and Irrigation in the Eighth Five Year Plan;

(b) what is the potential for employment generation in agriculture; and

(c) what is likely to be the target of food grain production in the Eighth Five Year Plan?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION (SHRI H. R. BHARDWAJ): (a) Exercises relating to the sectoral allocations of outlays including for the Agriculture and Irigation sectors for the Eighth Five Year Plan are underway.

(b) As per the Directional Paper for the Eighth Five Year Plan (1992-97), employment in agriculture is targetted to grow at the rate of 1.5 per cent per annum consistant with an annual GDP growth rate of 5.6 per cent and a 3 per cent rate of growth in value added for that sector. This would mean an annual addition of about 31 lakh new employment opportunities.

(c) As per the Directional Paper, the target of foodgrain production in the terminal year of the Eighth Five Year Plan is 210.00 million tonnes.

@@Previously Unstarred Questi6n 2522, transferred from 13th March, 1992.